Title: Regarding suspension of Question Hour for holding a discussion in the House on the Ayodhya Issue. (Motion Disallowed)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, हमने कार्य स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। अयोध्या का मामला बहुत गंभीर है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप कृपया बैठें।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी, आप क्या कहना चाहते हैं, कहें। एक सदस्य बोलें, बाकी सभी बैठ जाएं।

...(व्यवधान)

श्री कीर्ति झा आज़ाद (दरभंगा) : क्वैश्चन अवर के बाद ज़ीरो ऑवर आएगा, माननीय सदस्य तब बोलें, नहीं तो हमें भी अवसर मिलना चाहिए। हमने भी नियम 193 के तहत नोटिस दिया है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठें।

...(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, हमने कार्य-स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। â€¦ (व्यवधान)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, हमें भी अपनी बात कहने का मौका मिलना चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

श्री कीर्ति झा आज़ाद : हम भी इस विाय पर बोलना चाहते हैं* â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपसे पहले मुलायम सिंह जी खड़े हुए हैं, इसलिए मैंने उनको बोलने की इजाज़त दी है। मैं सुनना चाहता हूँ कि वह क्या कहना चाहते हैं।

...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : अध्यक्ष महोदय, हम चाहते हैं कि सदन सही ढंग से चले लेकिन सत्तापक्ष के लोग तैयार नहीं हैं कि सदन चले तो हम क्या करें। हम पूरी तरह से तैयार हैं कि सदन चले। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी जो विाय सामने रखना चाहते हैं, वह मैं सुनना चाहता हूँ। मैंने उनको प्रश्नकाल से पहले इसलिए इजाज़त दी है कि अगर वे कुछ कहना चाहते हैं प्रश्नकाल स्थगन के बारे में तो मैं सुनना चाहता हूँ। बाद में आप भी कह सकते हैं।

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, हमने कार्य स्थगन प्रस्ताव दिया है और हमारी आपसे प्रार्थना है कि कार्य स्थगन प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए आज सदन की कार्यसूची की मदों को स्थगित करके अयोध्या विवाद पर चर्चा होनी चाहिए। आज देश के सामने बड़े गंभीर संकट हैं। एक तरफ आंतरिक अशांति है और दूसरी तरफ सीमा पर भी हमारी सुरक्षा नहीं हो पा रही है। हमारा दुश्मन आतंकवादियों को प्रशिक्षित करके, हमारी संसद और विधान सभाओं पर हमला करता है, अक्षरधाम मंदिर पर हमला करता है। लालकिला भी सुरक्षित नहीं है। देश के सामने यह गंभीर खतरा है। आर्थिक संकट भी है। पूरे देश का आर्थिक विकास रुका पड़ा है। आज किसान की पैदावार की लूट हो रही है, भुखमरी है और किसान आत्महत्या करने को मजबूर हैं। â€¦ (व्यवधान)मैं यही कह रहा हूँ कि आपकी सरकार असफल रही है। â€¦ (व्यवधान)आप बोलने दीजिए। मैं बता रहा हूँ। â€¦ (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : माननीय अध्यक्ष महोदय, जैसा मैं बता रहा था कि देश में सुरक्षा का संकट है, देश की अर्थ-व्यवस्था का संकट है, देश में सूखे का स वाल है, अयोध्या विवाद है, इतनी सारी समस्याओं को यह सरकार हल करने में असफल रही है। सरकार इन सारे मोर्चों पर विफल रही है, नाकामयाब रही है। इसके कारण देश की अर्थ-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था चौपट हो गई है। जब इस प्रकार की गंभीर समस्याएं आती हैं और सरकार हल नहीं कर पाती है, तो लोग अयोध्या की समस्या ले आते हैं।

अयोध्या मामले के परिणाम क्या होंगे। जब उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में फैसला होने के लिए कार्यवाही हो रही थी, उसी वक्त उच्चतम न्यायालय ने 1994 में एक फैसला दिया। उन्होंने कहा कि पूरी विवादित भूमि है।

अध्यक्ष महोदय, यह गंभीर मामला है इसलिए हम इसमें थोड़ा पढ़ना चाहेंगे। आपने हमें जो निर्देश दिया है, हम उसी के अनुसार संक्षेप में पढ़ेंगे।â€¦ (व्यवधान)

श्री कीर्ति झा आजाद : महोदय, बिहार में लोग मर रहे हैं, अपहरण हो रहा है।â€¦ (व्यवधान)फेक एनकाउंटर होता है।â€¦ (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : महोदय, मैं बताना चाहता हूं, â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी, आप जल्दी खत्म करिए।

â€¦ (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके निर्देश के अनुसार बहुत कम समय ले रहा हूं।â€¦ (व्यवधान)मैं थोड़ा सा पढ़ कर सुनाना चाहता हूं - पूर्व मुख्य न्यायाधीश जे.एस. वर्मा की अयोध्या मुद्दे पर राय - उन्होने कहा कि वह इस मामले में 1994 में दिए गए अपने फैसले का स्पटीकरण दे रहे हैं, क्योंकि अक्सर इसकी गलत व्याख्या की जाती है और इसे तोड़-मरोड़ दिया जाता है। संवाद समिति वार्ता के अनुसार न्यायमूर्ति वर्मा ने कहा।â€¦ (व्यवधान)

श्री विनय कटियार : अध्यक्षमहोदय, जस्टिस वर्मा के संबंध में मुझे भी कुछ कहना है।â€¦ (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : इस पर कटियार जी को कितनी परेशानी हो रही है।â€¦ (व्यवधान)

श्री विनय कटियार : मुझे कोई परेशानी नहीं है। मैंने कहा कि मुझे भी
इस वि़ाय पर बोलने की इजाजत दी जाए। ये जस्टिस वर्मा को कोट कर रहे हैं इसलिए मैं भी कुछ कहना हूं।â€¦ (व्यवधान)

श्री कीर्ति झा आजाद : अध्यक्ष महोदय, हमें भी बोलने की अनुमति दी जाए।â€¦ (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : आप जरा गंभीरता से मेरी बात को सुनिए। माननीय न्यायमूर्ति वर्मा जी ने कहा कि "मैं रा़्ट्रहित में अपनी चुप्पी तोड़ रहा हूं, क्योंकि कुछ लोग फैसले में कही गई बातों की गलत व्याख्या कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति वर्मा जी ने कहा कि सरकार अयोध्या में अधिग्रहीत भूमि में से कोई हिस्सा किसी को नहीं दे सकती। अधिग्रहित संपूर्ण भूमि केन्द्र सरकार के हाथ में है और संबंधित मुकदमे का फैसला होने तक किसी को नहीं सौंपी जा सकती। उन्होंने स्पट किया कि सरकार के नियंत्रण में जितनी भी जमीन है वह विवाद में है। "â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी, जब इस वि़ाय पर चर्चा होगी, तब आप बोलिए।

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि भूतपूर्व मुख्य न्यायाधीश जे.एस. वर्मा का एक फैसला है। उन्होंने कहा है कि मैं देशहित में अपनी जुबान खोल रहा हूं, देशहित में यह फैसला है और ये उसकी ऐसी व्याख्या कर रहे हैं।â€¦ (व्यवधान)इसका नतीजा क्या होने वाला है।â€¦ (व्यवधान)

श्री विनय कटियार : इसके बाद आप हमारी बात को भी जरूर सुनिएगा, अन्यथा देश में गलत संदेश जाएगा।

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी के बोलने के बाद, मैं आपकी पार्टी के माननीय सदस्य को भी बोलने की इजाजत देने वाला हूं।

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, कटियार जी हमें बोलने नहीं दे रहे हैं। महोदय, हम आपसे कहना चाहता हैं कि मुख्य न्यायाधीश कह रहे हैं कि हमें देशहित में अपनी जुबान खोलनी पड़ रही है। ये पूरे देश का वातावरण खराब कर रहे हैं। इन्होंने कह दिया कि पूरी जमीन विवादित है।â€¦ (व्यवधान)हम पूछना चाहते हैं कि सरकार ने उच्चमत न्यायालय में जाकर क्यों इस तरह का दावा पेश किया कि उस जमीन को किसी संस्था को दे दिया जाए। इस अखबार को पढ़ने से आपको पता चलेगा। इसमें साफ लिखा है कि न तो यह किसी विश्व हिन्दू परि़ाद का सवाल है और न ही किसी अन्य पक्ष का। उसके बाद भी ये विवाद खड़ा करना चाहते हैं। इसके द्वारा भाजपा पूरा राजनैतिक लाभ उठाने का प्रयास करेगी, विश्व हिन्दू परि़ाद को संतु़ट करेगी। हमें उच्चतम न्यायालय में पूरा विश्वास है।â€¦ (व्यवधान)केन्द्र सरकार अपनी सरकार को चलाने के लिए देश में गृह युद्ध छेड़ने की पूरी कोशिश कर रही है।

यह काफी गम्भीर मामला है। इसीलिए हम कहना चाहते हैं कि सरकार तत्काल इसे वापस ले। जो देश की अन्य गम्भीर समस्याएं है, उन पर सरकार ध्यान दें। इन गम्भीर समस्याओं में विपक्ष ने हमेशा सरकार से सहयोग किया है। पूरे विपक्ष ने देश की गम्भीर समस्याओं के लिये जितना समर्थन इस सरकार का किया, आज तक इतिहास में किसी सरकार को उतना समर्थन नहीं मिला। उसके बाद भी यह नाकारा सरकार हो गई है। आप कभी भावना को उभारेंगे और लोगों की भावना को ठेस पहुंचाएंगे? इस तरह से कानून ला-लाकर पूरे देश में राजनैतिक लाभ उठाने के लिये भाजपा की गृहयुद्ध छेड़ने की पूरी साजिश है।â€¦ (व्यवधान) यह देश के सामने गम्भीर चिन्ता है। इसलिए, अध्यक्ष महोदय हम आपसे अनुरोध करना चाहते हैं कि आप सारी कार्यवाही रोककर मेरा कार्य-स्थगन प्रस्ताव स्वीकार कीजिए। हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि देशहित और रा़ट्रहित में, जब देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बोले हैं तो क्या हम चुप रहेंगे? इसमें हमारी जिम्मेदारी ज्यादा है, पूरे सदन की जिम्मेदारी है। हम यह नहीं कहना चाहते हैं कि हमने कोई राजनैतिक सवाल उठाया है, हमने देशहित में सवाल उठाया है और हम चाहते हैं कि पूरा सदन इस पर गम्भीरता से विचार करे, इसलिए हम चाहते हैंâ€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, I have received twenty notices of Adjournment Motion regarding the Ayodhya issue − which Shri Mulayam Singh Yadav is trying to raise here − from the following Members:

1. Shri Vilas Muttemwar
2. Shri G.M. Banatwalla
3. Shri Ajoy Chakraborty
4. Shri Ramji Lal Suman
5. Shri Lakshman Seth
6. Kunwar Akhilesh Singh
7. Shri Tufani Saroj
8. Shri Mulayam Singh Yadav
9. Shri Ravi Prakash Verma
10. Shrimati Sushila Saroj
11. Shri Ram Murti Singh Verma
12. Shri Dharam Raj Singh Patel
13. Shri Rupchand Pal
14. Shri Somnath Chatterjee
15. Shri G.M. Banatwalla
16. Shri E. Ahamed
17. Shri Basu Deb Acharia
18. Shri Bir Singh Mahato
19. Shri Ramdas Athawale and
20. Shri Sunil Khan.

These are the notices which I have received on the Ayodhya issue.

I have also received five notices on the drought situation in the country from the following Members.

SHRI PRAKASH PARANJPE (THANE): They are very important.

MR. SPEAKER: मेरे लिए तो ऐवरी नोटिस इम्पौर्टैंट है।

The notices are from the following Members:

1. Shri Priya Ranjan Dasmunsi
2. Col. (Retd.) Sona Ram Choudhary
3. Shri Shriprakash Jaiswal
4. Shri Shankersinh Vaghela and
5. Shri Satyavrat Chaturvedi.

In addition to these, I have also received a notice from the hon. Member Shri H.D. Deve Gowda. He has tabled a notice of Adjournment Motion regarding the plight of the sugarcane growers. Shri Ramji Lal Suman has tabled a notice of Adjournment Motion regarding the alleged misuse of POTA.

These are the various notices which I have received. There are so many notices which I have received. More number of notices has been received by me from a number of hon. Members.

I have also received a notice on the suspension of Question Hour. This is always a priority. I have received the suspension of Question Hour notice from Shri Basu Deb Acharia and Shri Rupchand Pal. I have to listen to both these hon. Members as to why they are asking for the suspension of Question Hour. Before that, since the issue of Ayodhya is an important issue, I have permitted Shri Mayalam Singh Yadav to speak.

...(*Interruptions*)

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : मान्यवर अध्यक्ष जी, इस विाय पर हमने भी कार्य-स्थगन प्रस्ताव दिया है।

MR. SPEAKER: Since the notices of Adjournment Motion on the Ayodhya issue have been received by me and since the number is very large, I have permitted Shri Mulayam Singh Yadav to speak. My only request would be that Shri Mulayam singh Yadav should speak for a very few minutes. I will also allow the ruling party Members to speak on this issue. Let it be decided by the House itself whether they want to suspend the Question Hour and take up the issue. Therefore, first, Shri Mulayam Singh Yadav will make his observation for a few minutes. Shri Mulayam Singh Yadav, this is not a debate that we have started.

हमने इस पर चर्चा शुरू नहीं की है। एडजर्नमेंट मोशन क्यों चाहिए और क्वैश्चन आवर क्यों ससपेंड करना चाहिए - इस विाय में आप क्या कहना चाहते हैं, वह मैं सुनना चाहता हूं।

MR. SPEAKER: Let me make the observation. Let me make it clear that in the last Session, we conducted the business very well. That was appreciated not only by the Media but by the people of this country also. This time also, I want every issue to be discussed in this House.

Fortunately, the ruling party has no objection for discussing all the issues, including Ayodhya issue. We are meeting at 1 o'clock in the Business Advisory Committee. In the Business Advisory Committee, all the important issues which include Ayodhya, drought situation, Bihar situation, POTA, and the other issue which Shri Deve Gowda has raised will be taken up. Let me assure the House that I will see that all the issues are discussed in this Session. There is absolutely no doubt that we are here for a discussion. Therefore those Members who may not be getting a chance to speak now, will be getting a chance to speak later. If you want to discuss Ayodhya today itself, at 2 o'clock, we can start the discussion on Ayodhya. The ruling party has no objection, nor the Chair has any objection. I personally feel that it is necessary that sensitive issues like Ayodhya must be discussed as early as possible. Therefore, I am going to permit those issues for discussion. If the hon. Members feel that drought issue is more important, let them discuss drought issue today, and tomorrow we can take up the Ayodhya issue. This will be discussed in the Business Advisory Committee. In the meantime, my request to the entire House is this. Half of the time of the Question Hour has been taken, and I am not in a position to suspend the Question Hour for any discussion. Therefore, I have disallowed the notices of Adjournment which have been given to us. But for discussion, there is absolutely no difficulty. All the issues can be discussed.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Let me complete my statement. Therefore, I would request the hon. Members to cooperate. At 1 o'clock, there is a Business Advisory Committee meeting. We can take up the issue today itself, and discuss it. They can be taken up here.

श्री विनय कटियार (फैज़ाबाद) : अध्यक्ष जी, आपने बहस की अनुमति दे दी है। इसलिए मुझे आपकी व्यवस्था पर कुछ नहीं कहना है। मैं केवल इतना ही कहूंगा कि अयोध्या के इश्यू का जिक्र जब राट्रपति जी के अभिभााण में आया है, तो राट्रपति के अभिभााण पर धन्यवाद प्रस्ताव की बहस के दौरान इस विाय पर व्यापक रूप से चर्चा हो सकती है। इसलिए यह ज्यादा उचित होगा कि इस विाय पर उस समय बहस हो जाए और इस समय क्वैश्चन आवर को स्थगित नहीं करना चाहिए। इसलिए मेरा आपसे आग्रह और निवेदन है कि इसके लिए आप कोई समय तय कर दें, तब इस पर चर्चा हो सकती है और हम यहां देर तक बैठकर उस चर्चा को सुन सकते हैं। अन्यथा इस पर नोटिस देना, हर बार क्वैश्चन आवर को स्थगित करना, एक परम्परा बन जाएगी और हर बार ऐसा किया जाएगा। इसलिए मेरा निवेदन है कि इस समय क्वैश्चन आवर को चलने दिया जाए और अयोध्या के इश्यू पर चर्चा खूब हो, लेकिन पहले प्रश्न-काल हो जाए और उसके लिए आप समय निश्चित कर दें।

अध्यक्ष महोदय : आपका जो पक्ष है, वह मैंने सुन लिया। यदि सदन की सहमति हो, तो इसमें मुझे कोई ऐतराज नहीं है, लेकिन वे क्वैश्चन-आवर क्यों स्थगित कराना चाहते हैं, इसे जानने के लिए मैंने उन्हें इजाजत दी है। इस विाय में वे क्या कहना चाहते हैं, पहले उनको सुनिए।

श्री विनय कटियार : जस्टिस जे.एस. वर्मा को इन्होंने गलत ढंग से कोट किया है, इसलिए हमें इस विाय पर बोलना है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मेरी कठिनाई आप समझ सकते हैं। मैं सोमनाथ चटर्जी जी के बाद आपको बोलने की इजाजत देने वाला हूं।â€¦ (व्यवधान)

श्री विनय कटियार : अध्यक्ष जी, मुझे केवल एक मिनट में अपनी बात कहनी है।â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : जब इनका नोटिस नहीं है, तो ये क्या बोलेंगे?â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने कहा कि इनका नोटिस है, इसलिए मैंने इनको पहले बोलने की इजाजत दी है।

श्री विनय कटियार : जब अयोध्या का इश्यू आता है, अयोध्या का जब मामला आयेगा तो मैं अपने आप में नोटिस हूं, क्योंकि मैं वहां से आता हूं।â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : विनट कटियार जी का तो कई मामलों में नोटिस हैं, पोटा में भी इनका नोटिस है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : देखिये, मुझे हाउस कंडक्ट करना है। आप कृपया सहयोग कीजिए।

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष जी, मेरी बात तो रह गई। आप कार्यवाही रोककर इस विाय पर चर्चा आज ही पूरे दिन करा ली जाये, यही मेरी प्रार्थना है।â€¦ (व्यवधान)

श्री विनय कटियार : हमें भी माननीय जस्टिस वर्मा के विाय में आधे मिनट में अपनी बात कहनी है। माननीय सोमनाथ चटर्जी बहुत वरिठ सदस्य हैं, मैं उनके बीच में बोलना नहीं चाहता। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये, प्लीज।

श्री सोमनाथ चटर्जी (बोलपुर) : आप उनकी इजाजत लीजिए। इसमें हमारा क्या है।â€¦ (व्यवधान)

श्री विनय कटियार : इससे देश में गलत संदेश जा रहा है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं आपको इजाजत देने को तैयार हूं, लेकिन आप अभी जरा बैठिये। श्री सोमनाथ चटर्जी को मैंने इजाजत दी है।

कुंवर अखिलेश सिंह : सोमनाथ जी नहीं बोलेंगे तो आप क्या बोलोगे?

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Mr. Speaker, Sir, we have not given this notice of Adjournment Motion without proper thinking and consideration. ...(*Interruptions*) Patriotism is not their monopoly. They are trying to divide this country. We are trying to keep the country united. ...(*Interruptions*) I would like to know from Shri Yerrannaidu. I would like to know from Shri Devendra Prasad Yadav. I would like to know from those who are talking of secularism how they have surrendered to these forces of disruption. ...(*Interruptions*)

Why do they not pull up and tell their colleagues? â€¦ (*Interruptions*)

श्री प्रकाश परांजपे : हिन्दी चीनी भाई-भाई वाले चीन की तरफदारी करते हैं।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Paranjpe, please sit down.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: He has just now started. Please listen to Shri Somnath Chatterjee.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Friends, you are all aware that I have permitted Shri Somnath Chatterjee.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : मैंने सोमनाथ चटर्जी जी को इजाजत दे दी थी।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please sit down.

श्री रामजीलाल सुमन : कुछ लोग साजिश करके सुनना नहीं चाहते हैं।

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : ये देश को बर्बाद करना चाहते हैं, देश को तोड़ना चाहते हैं। ये मानवता और देश के दुश्मन हैं।

अध्यक्ष महोदय : आप कृपया बैठिये।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: The issue was important and, therefore, I thought that a few leaders of respective parties can explain to me why they wanted the Question Hour to be suspended and, therefore, I have permitted them to speak. I would request all the Members to listen to them and I would also allow the ruling Members to speak. It is not that the entire nation should go to listen to only one side of the entire issue. So, Shri Malhotra will be allowed to speak after Shri Somnath Chatterjee.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Listen to them, Sir, I have no objection, naturally. Somehow or the other, they are in majority, whatever combination they may be in....(*Interruptions*).

श्री विनय कटियार : अध्यक्ष महोदय, क्या यह जरूरी है कि हम इनको हर बार बीच में डालें?â€¦(व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE :Why we are concerned is because suddenly we find that this application has been made by the Government to the Supreme Court. What for? What is the urgency? The Government has not taken anybody into confidence. The Opposition Parties are deliberately ignored on such important issues. When they get things out of control, they try to call the Opposition and have a sort of a discussion, just pretence of discussion. Sir, it is too proximate to the *Dharma Samellan* which is going to be held on the 22nd of February. Is it connected with that? What was the reason that prompted the Government to apply for this? It is because they want to change the *status quo*, for which the Supreme Court has already passed the Order. Have the heavens fallen that today the whole thing has to be disturbed? The case is pending. The 1994 judgement is clear. Justice Verma has clarified what was the clear intention of the Supreme Court when they passed the 1994 Order. Now they are trying to create a situation whereby on the plea of undisputed land, they will make it over to the VHP which has taken the monopoly interests of the Hindus. Who has appointed them, Only they know,. Therefore, this is not an ordinary matter. This is not just an application before the Supreme Court. It is a diabolical move to disturb the position there and allow obscurantism and fundamentalism in this country. They want to take the benefit by communising the whole issue. These people are worse than toothless tigers. Somebody has made you toothless tigers. Why do you not use your mind?â€¦(*Interruptions)* Therefore, this is not a routine matter. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please let him complete.

SHRI K. YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): Our party will abide by the Court verdict. TDP is a secular party.

DR. S. VENUGOPAL (ADILABAD): We shall abide by the Supreme Court verdict.....(*Interruptions*)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, the hon. Rashtrapati ji has said yesterday ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down. Let him complete.

SHRI K. YERRANNAIDU : Sir, after he has completed, please allow me to speak. This is my request.

MR. SPEAKER: Yes.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, the hon. Rashtrapati ji has been kind enough to observe yesterday that the matter should be decided by the Judiciary. Now, what they say is, well, it is urgent to get a decision by the Judiciary. Obviously, the intention is to have the main matter decided, which is pending before the appropriate Court and in spite of that, without waiting for the decision on the main matter how can the *status quo* be attempted to be disturbed? Sir, we strongly oppose this. This is a diabolical move to divide the country on the basis of religion. ...(*Interruptions*). They think that Gujarat will be repeated everywhere. I think that was a shameful chapter of our history that over the dead bodies of hundreds and hundreds of people a political party tried to take the advantage. ...(*Interruptions*) Therefore, we say that it is a very important matter. It is not a routine matter. Therefore, we want it to be immediately discussed on an Adjournment Motion. I think that you will accept it.

MR. SPEAKER: Shri Malhotra before you start, let me make one thing clear.

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, जितना टाइम श्री मुलायम सिंह और सोमनाथ चटर्जी ने बोलने के लिए लिया है, उससे ज्यादा टाइम मैं नहीं लूंगा। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं टाइम की चर्चा नहीं कर रहा हूं। I only want to say that an important issue was there and I have permitted the Members even going out of the way to speak. I thought that the ruling party also must express its stand. There is no doubt that you will get the same time as they have been given. My only request is that since almost half an hour of the Question Hour has been taken, I want to go to the Question Hour as early as possible

. ...(*Interruptions*)

Therefore, Shri Vijay Kumar Malhotra will make his stand clear on the issue. After that, one Congress party leader will speak and then we will go to the Question Hour.

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, अभीâ€¦ (व्यवधान)

श्री विनय कटियार : अध्यक्ष जी, अयोध्या का मामला आया है इसलिए अयोध्या के सदस्यों को बोलने देना चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको भी बोलने का चांस दे दूंगा।

श्री विनय कटियार : पहले हमको बोलने दीजिए।

अध्यक्ष महोदय : नहीं, पहले मल्होत्रा जी बोलेंगे।

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, आपके सामने सिर्फ एक छोटा सा सवाल था कि क्वैश्चन आवर सस्पैंड किया जाए या नहीं। क्वैश्चन आवर सस्पैंड करने के बारे में इनको आरग्यूमैंट्स देने चाहिए थे। इन्होंने उसके बजाए सारे मैरिट के सवाल उठाए। Heavens were not going to fall कि अगर इस पर एक घंटे के बाद बहस हो जाए। हम चाहते हैं कि अयोध्या पर बहस हो। हम इनको बताना चाहते हैं कि अयोध्या पर कांग्रेस पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी और मुलायम सिंह जी का कितना गलत नजरिया है। अयोध्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट की जजमैंट लेकर गैर-विवादित भूमि पर राम मंदिर न बने, देश के साथ इससे ज्यादा विश्वासघात कोई नहीं हो सकता।â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : पूरी जमीन विवादास्पद है। मल्होत्रा जी का कथन बिल्कुल असत्य है।â€¦ (व्यवधान)ये जान-बूझकर गुमराह कर रहे हैं।â€¦ (व्यवधान)यह बहुत गंभीर मामला है।â€¦ (व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : ये संविधान की हत्या करना चाहते हैं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपके नेता ने अपनी भूमिका रखी है। अब इनको बोलने का पूरा अधिकार है।

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER : Please sit down. अखिलेश जी, प्लीज़, आप बैठिए।

â€¦ (व्यवधान)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, पिछले साल प्रधान मंत्री जी के यहां सारी पोलीटिकल पार्टीज़ की मीटिंग हुई। सबने मिलकर यूनैनीमसली कहा कि इसका फैसला जल्दी हो, न्यायालय इसका जल्दी फैसला करे और इसके लिए सर्वसम्मति बनी। अगर उसी के लिए न्यायालय से कहा जा रहा है कि इसका फैसला जल्दी करो फिर आज यह सवाल क्यों उठाया जा रहा है। क्या इससे ज्यादा कोई अनैतिक बात हो सकती है? Can there be something? इससे ज्यादा कोई इममॉरेल चीज हो सकती है कि जो सब फैसला करें और उस पर हम अमल करें तो उसके खिलाफ सवाल उठाए जाएं। â€¦ (व्यवधान)हम भी जानते हैं कि अयोध्या का सवाल है परन्तु बिहार में कब तक राजशाही राज चलेगा।â€¦ (व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : इनसे पूछिए कि उत्तर प्रदेश में क्या हो रहा है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप कृपया अपनी सीट पर जाइए। आप अपनी जगह से बात कर सकते हैं।

कुंवर अखिलेश सिंह : वहां पोटा का दुरुपयोग हुआ है।â€¦ (व्यवधान) राजा भैया को गिरफ्तार किया गया। उनके बूढ़े पिता को गिरफ्तार किया गया।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप अपनी जगह से बोलिए, आप यहां से नहीं बोल सकते।

â€¦ (व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : ये उत्तर प्रदेश में सीधे जातीय उन्माद पैदा कर रहे हैं। ये पूरे प्रदेश को खून और दंगों में झोंकना चाहते हैं।â€¦ (व्यवधान)अगर उत्तर प्रदेश में स्थिति नहीं सुधरी तो सीधे संर्घा होगा।â€¦ (व्यवधान)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : श्री सोमनाथ चटर्जी ने लॉ एंड आर्डर और देश की बात की।â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : इन्हें देश का ख्याल नहीं है। उत्तर प्रदेश में पोटा का किस तरह दुरुपयोग हो रहा है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए। आप ऐसे ही खड़े हैं।

â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : श्री सोमनाथ चटर्जी ने जो सवाल उठाया, ये उसकी काट में क्या बोल रहे हैं।â€¦ (व्यवधान)ये किस विाय पर बोल रहे हैं।â€¦ (व्यवधान)क्वैश्चन आवर सस्पैंड हो या नहीं, उस बारे में सवाल है लेकिन ये क्या बोल रहे हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री रामदास आठवले : अध्यक्ष जी,â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रामदास जी, आपके ऊपर किसी ने कोई आरोप नहीं किया। आप बैठिए।

â€¦ (व्यवधान)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, पश्चिम बंगाल में गैंग रेप हो रहे हैं, इसके बारे में हमने आपको नोटिस दिया है। पांच वर्ा से पचास वर्ा तक की महिलाओं के साथ बलात्कार किए जा रहे हैं। यहां ऐसे सवाल उठाए जाएं, हम आपसे मांग कर रहे हैं, बिहार के बारे में चर्चा की मांग कर रहे हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : यह बिल्कुल वियांतर है, इसका अयोध्या से क्या मतलब है। मल्होत्रा जी को अयोध्या के बारे में बोलने के लिए कहा गया है।â€¦ (व्यवधान)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : बिजनस ऐडवाईज़री कमेटी मेंâ€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER : Please let Shri Malhotra speak.

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए। सोमनाथ चटर्जी का भााण हुआ, सबने सुना। मुलायम सिंह जी का भााण सुना। यह कौन सा तरीका है कि आप दूसरे नेताओं का भाष ाण नहीं सुनेंगे। प्लीज़ आप बैठिए।

â€¦ (व्यवधान)

डा. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, आपको यह फैसला करना है कि आप इन वियों को उठाने की अनुमति किसे दें या किसे न दें परंतु सोमनाथ जी को इसका जवाब देना चाहिए कि जब राट्रगान हो रहा था तो इनके मुख्य मंत्री बैठे हुए क्यों थे?â€¦ (व्यवधान)राट्रगान के लिए सारे लोग, सारे ऑफिसर्स खड़े हो गये लेकिन वे बैठे हुए थे। क्या राट्रगान का ऐसा अपमान कोई मुख्य मंत्री कर सकता है? â€¦ (व्यवधान)परंतु इसका जवाब इनको देना चाहिए जब वह यहां अपना विाय उठाएं।â€¦ (व्यवधान)मैं भी इनसे कहना चाहता हूं कि अयोध्या मामले का हल होना हिन्दू और मुसलमान दोनों के हित में है परंतु ये सारे देश में आग लगाना चाहते हैं। ये चाहते हैं कि अयोध्या का मामला लटकता रहे, देश में साम्प्रदायिक दंगे होते रहें और ये वहां पर अपने वोटों की खातिर लाशों का ढ़ेर खड़ा करना चाहते हैं।â€¦ (व्यवधान)हम चाहते हैं कि अयोध्या का मामला हल हो जाए, दोनों में समन्वय पैदा हो जाए और क्वश्चन ऑवर सस्पेंड किये बिना आप फैसला करें कि क्या करना है और क्या नहीं करना है।â€¦ (व्यवधान)

SHRI PRAVIN RASHTRAPAL (PATAN) : He cannot be allowed to criticise. Why should you allow him?

अध्यक्ष महोदय : मैंने शिवराज पाटिल जी का नाम लिया है। आप बैठिए।

â€¦ (व्यवधान)

SHRI SHIVRAJ. V. PATIL (LATUR) :Sir, the Question Hour can be suspended to discuss the most important issues faced by the country ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : कीर्ति झा आजाद जी, आप बार-बार बीच में क्यों खड़े हो रहे हैं?

â€¦ (व्यवधान)

श्री कीर्ति झा आज़ाद : सर, ये राट्रभक्त हैं। आप इनसे पूछिए तो सही।â€¦ (व्यवधान)

SHRI SHIVRAJ V.PATIL : Sir, I repeat that the Question Hour has been suspended in the past to discuss the most important issues faced by the country. There is no important issue than this issue which divides the country itself. If the Government is going to the court, making an application, seeking the permission to return the land which is acquired by the Government, Government is becoming a party to the dividing tendencies in the country...(*Interruptions*) This kind of issue should be discussed on the floor of the House even by suspending the Question Hour. We thought that the drought is important, we thought that this issue is important, we thought that Iraq issue is important and other issues are also important. If the Government is not taking steps which can unite the country but taking the steps in a manner which can divide the country, these kind of issues should be discussed even by suspending the Question Hour....(*Interruptions*)

श्री विनय कटियार : अध्यक्ष जी, अयोध्या की चर्चा हो रही है, क्या अयोध्या वालों की बात आप नहीं सुनेंगे? यह बड़ा अन्याय हो रहा है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Let me make some observation.

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कम से कम आप मुझे तो सुनिए।

श्री जी.एम.बनातवाला (पोन्नानी) : अध्यक्ष महोदय, हमारा सबसे अहम मसला है और हमको नहीं बोलने दिया जा रहा है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: If you do not want me to make any observation, what else do you want?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please let me make some observation. I hope you will co-operate with me.

...(*Interruptions*)

SHRI G.M. BANATWALLA : Before you make your observation, please listen to us....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members, you are all aware that I have no desire to stop any Member from speaking. If you want the issue to be discussed right now, I have no objection.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please take your seats. There should be some discipline followed for conducting the business of the House. अखिलेश जी, मैंने आपको बहुत टॉलरेट किया है। यह कोई तरीका नहीं है। बनातवाला जी, आप भी बैठिए।

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please listen to me first and then you make your observation. Please sit down.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The ruling party has no objection. They have made it quite clear.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : कम से कम आप मुझे तो सुनिए।

â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष जी, हमारा भी नोटिस है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रामजीलाल सुमन जी, यह तरीका ठीक नहीं है। अध्यक्ष को आप बोलने नहीं देंगे तो कैसे चलेगा?

â€¦ (व्यवधान)

SHRI G.M. BANATWALLA : Those hon. Members who are in the Business Advisory Committee have spoken, and those who are not in the Business Advisory Committee have not been allowed to speak.

MR.SPEAKER: It is not true. It is not mandatory that the Members of the Business Advisory Committee should only be given a chance to speak. Do not make any wrong statement here. It is not a correct statement. Therefore, now, I have no alternative, except to go to the Question Hour. Please cooperate.

...(*Interruptions*)

SHRI K. YERRANNAIDU : Mr. Speaker, Sir.

MR.SPEAKER: You can give personal explanation.

DR. S. VENUGOPAL : Mr. Speaker, Sir.

MR.SPEAKER: You have not asked for my permission. I have permitted him now. Please sit down. He belongs to your party. When your party leader stands, you have to sit down.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : चटर्जी साहब ने मेरा नाम भी कोट किया था।येरननायडू साहब का और मेरा भी नाम उन्होंने कोट किया था।

अध्यक्ष महोदय : मैं इस विाय पर डिसकशन के समय आपको जरूर बोलने की अनुमति दूंगा।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : यह ठीक नहीं है। मेरा नाम भी कोट किया गया है इसलिए मुझे भी सफाई देने का मौका दिया जाए और मेरे साथ न्याय किया जाए।

अध्यक्ष महोदय : जब आपका नाम लिया गया, तब आपने बोलने की इजाजत नहीं मांगी थी। अब आप बैठ जाएं।

...(*Interruptions*)

MR.SPEAKER: During the discussion, I will permit you.

SHRI K. YERRANNAIDU : Mr. Speaker, Sir, Shri Somnath Chatterjee has taken my name, and my party's name. I want to make it clear on the floor the House that my party is a secular party. We are extending support to the NDA Government basing on the Common Minimum Programme. So, if the Government, the religious leaders, the political parties fail to resolve the issue, then we have to abide by the court ruling. That is why the TDP has faith on the Apex court. We have to follow the court verdict. Every political party should abide by the court verdict. Whatever direction is given by the court, we have to follow it.

We are facing infiltration problem. We have to combat terrorism. We have to discuss all those major issues.